प्रभु यीशु के जन्म की निकली झांकी

नाचते गाते व झूमते हुए दिया संदेश

बीकानेर (संवाद)। एस.डी.कॉन्वेंट की ओर से सोफिया स्कूल के पास संचालित शांति निवास वृद्ध आश्रम में शनिवार को प्रभु यीशु के जन्म की झांकी सजाई गई तथा मसीही गीत की टोली ने नाचते, गाते व झूमते हुए दिया ईसा मसीही के जन्म का संदेश। सेंट फ्रांसिस जैवियर चर्च के फादर जोसफ के नेतृत्व में वृद्धजनों के उत्तम स्वास्थ्य व बेहतर जीवन की प्रार्थना की गई। क्रिसमस फादर बने ओ.जान ने वृद्धजनों को टॉफिया व उपहार दिए। नवजात रूप में प्रभु यीशु की प्रतिमा को लाकर आश्रम में सजाई गई प्रभु यीशु के जन्म स्थल गौशाला की झांकी में प्रतिष्ठित किया गया। सभी ने मसीही यानि कैरल्स गीतों के माध्यम से खुशियां मनाई तथा प्रभु के करुणा, दया, शांति का संदेश दिया। आश्रम की प्रभारी सिस्टर उदया, सिस्टर, सेंट टेरेसा किडर गार्डन की प्रधान सिस्टर सोशिमा, सिस्टर इस्टेला, सिस्टर सबीना, सिस्टर डालिया व एस.डी.कॉन्वेंट की फैण्डस ऑफ डेस्टीट्यूट सोसायटी के सचिव शिव कुमार सोनी व अन्य सिस्टर्स ने फादर व मसीही मंडली का स्वागत किया। चर्च के सचिव जोसफ के.जी. ने बताया कि शनिवार को बी.बी.एस.स्कूल, सोफिया स्कूल परिसर में प्रभु यीशु के जन्म का संदेश मसीही गीतों व नृत्य से दिया गया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्वेटर वितरण

बीकानेर (संवाद)। आज उदयरामसर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सभी छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरण किये गये। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यालय में उदयरामसर के पूर्व सरपंच हेमन्तसिंह यादव के सौजन्य से 751 छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किये गये। स्वेटर वितरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि गोपाल गहलोत ने कहा कि आयोजको ने विद्यालय के विद्यार्थियों को इस सर्दी के अवसर पर स्वेटर वितरण करके बहुत ही सराहनिय कार्य किया है। विशिष्ट अतिथि युथ कांग्रेस के लोकसभा अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही हमारा मूलधन है उसको पाने के लिए आप कड़ी से कड़ी मेहनत करें उसमें अगर कोई बाधा आयेगी तो हम आपकी तन मन और धन से मदद करेंगे। हमें भी बचपन में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा था लेकिन आपसी सहयोग से शिक्षा पूर्ण करने में सफल रहें। उदयरामसर के पूर्व सरपंच हेमन्त सिंह यादव ने कहा कि सबको सहयोग से स्वेटर वितरण का कार्य किया गया है, अगर छात्र-छात्राओं के हित के लिए किसी भी तरह की सामग्री की जरूरत इस विद्यालय में पड़ेगी तो हम हमेशा तत्पर रहेंगे।

नापासर स्पार्टा ने जीता रामावत समाज कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब

रामावत समाज कब्बड्डी प्रतियोगिता-2017 का हुआ समापन, अतिथियों ने विजेता व उपविजेता टीम को किया पुरस्कृत

बीकानेर (संवाद)। अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण सेवा संघ एवं वैष्णव ब्राह्मण नवयुवक मण्डल, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रामावत समाज कबड्डी प्रतियोगिता-2017 का समापन शनिवार को हुआ। प्रतियोगिता का फाइनल मैच नापासर स्पार्टा व जोधासर टीम के मध्य खेला गया जिसमें नापासर स्पार्टा टीम ने जोधासर टीम को हराकर खिताब पर कब्जा किया। जानकारी के अनुसार नापासर स्पार्टा ने जोधासर टीम को 55-45 के अंतर से हराया। फाइनल मैच के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि मुम्बई से पधारे सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश वैष्णव तथा विशिष्ट अतिथि महापौर नारायण चौपड़ा और शहर भाजपा उपाध्यक्ष एडवोकेट अशोक बोबरवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता युवा नेता और राजनीतिक विचारक राजेन्द्रसिंह भियाड़ थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश वैष्णव ने कहा कि आयोजक बधाई के पात्र है जिन्होंने इतने बड़े स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाकर ऐतिहासिक कार्य है। एक मैदान में समाज के युवा खेलते हुए देखना बहुत ही आनंदमयी है। महापौर नारायण चौपड़ा ने कहा कि रामावत समाज ने कब्बडी प्रतियोगिता करवाकर समाज के युवाओं को संगठित करने का प्रयास किया है। यह वाकई में बेहद सराहनीय कदम है, इस प्रतियोगिता से दूसरे समाज को भी सीख मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य ने कहा कबड्डी प्रतियोगिता व क्रिकेट प्रतियोगिता जैसे आयोजनों से युवा वर्ग में आपसी सहयोग की भावना बढ़ती और इससे समाज को संगठित करने का प्रयास भी किया गया। प्रदेशाध्यक्ष भगवानदास रामावत व संरक्षक बृजमोहन रामावत, सुनीता वैष्णव सहित कई गणमान्यजनों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार हरीश बी.शर्मा व आरजे-डी.के. रामावत ने किया। कबड्डी प्रतियोगिता समापन के दिन रामावत समाज भवन में मैच देखने के लिए सैकड़ों दर्शकों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान जहां नापासर स्पार्टा टीम से जुड़े लोग अपनी टीम को की हौसला अफजाही करते नजर आए, वहीं दूसरी ओर जोधासर की टीम को भी दर्शकों का भारी समर्थन मिला। नापासर स्पार्टा टीम में खेल रहे मुकेश और जोधासर टीम से खेल रहे सुखदेव ने अपने खेल से सबको प्रभावित किया। मुकेश और सुखदेव जब भी रेड करने जाते, तब दर्शकों की भीड़ भी उसका उत्साहवर्धन करते नजर आए। प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश वैष्णव, विशिष्ट अतिथि महापौर नारायण चौपड़ा, शहर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य ने ने खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन किया। साथ ही साथ अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय भी किया। कब्बडी प्रतियोगिता में खेलमंत्री द्वारका प्रसाद, एडवोकेट संजय रामावत, एडवोकेट शिवशंकर रामावत, नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साध, बिरमदेव रामावत, गोविन्द रामावत, महासचिव रामचन्द्र वैष्णव, महासचिव घनश्याम रामावत, युवा अध्यक्ष गजेन्द्र अग्रवाल, पूर्व खेलमंत्री कपिल रामावत, पत्रकार मुकेश रामावत, उपाध्यक्ष संतोष रामावत, कोषाध्यक्ष जयकिशन रामावत, गजेन्द्र रामावत, बजरंग दास साध, रामदेव रामावत, पंकज, मुरली दास, मनोहर रामावत आदि सैंकड़ों की संख्या में खिलाड़ी व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

क्षति को रोकने वाला ही क्षत्रिय : रोलसाहबसर

क्षत्रिय युवक संघ ने मनाया स्थापना दिवस

बीकानेर (संवाद)। श्री क्षत्रिय युवक संघ का 72वां स्थापना दिवस शुक्रवार को जयपुर रोड स्थित श्री छ: याति ब्राम्हण महासभा के मैदान में मनाया गया। इस मौके पर ध्वजारोहण किया गया और हवन में आहुतियां दी गई। स्थापना दिवस समारोह में वक्ताओं ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। समाज के विकास में शिक्षा के महत्व को अहम बताया। कार्यक्रम में संघ के प्रमुख रोलसाहबसर ने कहा कि क्षति को रोकने वाला ही क्षत्रिय होता है। जाग वही सकते हैं, जो सयंमी होते हैं। क्षत्रिय संकुचित नहीं होता। क्षत्रिय धर्म का पालन करने वाले सदैव जागृत रहने वाला व्यक्ति होता है। उन्होंने कहा कि आज समाज की मातृ शक्ति भी क्षत्रिय युवक संघ के साथ खड़ी है। क्षत्रिय युवक संघ के शिविर में अनुशासन, संयमित जीवन व व्यक्तित्व निर्माण करने का प्रयास किया जाता है। कोलायत विधायक भंवर सिंह भाटी ने कहा कि क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में संस्कार निर्माण कराया जाता है। कठोर अनुशासन में रहना सिखाया जाता है। पूर्व विधानसभा क्षेत्र की विधायक सिद्धि कुमारी ने कहा कि आज क्षत्रिय युवक संघ समाज को बलवान बनाने, संस्कार निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है। रघुवीर महाराज ने कहा कि भविष्य के लिए युवा पीढ़ी में नेतृत्व की कला आना जरूरी है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संघ के संस्थापक तनसिंह का स्मरण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमन सांडवा ने कहा कि आज के युग में शिक्षा का खास महत्व है। खासकर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। समाज की प्रगति में शिक्षा की अहम भूमिका है। रूढियों का बलिदान करने की दरकार है। दूर दराज से आए लोग कार्यक्रम में बीकानेर के अलावा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में समाज के लोग पहुंचे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही। केसरिया रंग के साफे बांधे युवक भी उत्साह से लबरेज नजर आए। स्थापना दिवस समारोह में महापौर नारायण चौपड़ा, नगर विकास न्यास अध्यक्ष महावीर रांका, प्रांत प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर, पाबूदानसिंह राठौड़, भरतसिंह सेरूणा, डॉ. भगवानङ्क्षसह मेडतिया, भानुप्रताप सिंह, रणवीरसिंह सेरूणा, नवीन सिंह तंवर, अखिलेश प्रतापसिंह, श्यामसिंह हाडला, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, राजेन्द्र सिंह भीयांड सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। क्षत्रिय युवक संघ के प्रमुख भगवान ङ्क्षसह रोलसाहबसर ने बातचीत में कहा कि आज यदि युवाओं में भटकाव आ रहा है, तो इसके लिए माता-पिता को शिक्षा देने की जरूरत है। युवा पीढ़ी ही आगे चलकर माता-पिता की भूमिका में आ जाएगी।

हिमाचल पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला

बीकानेर (संवाद)।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में घूमने गए बीकानेर और श्रीगंगानगर के पांच जने बर्फ में फंस गए। उन्हें हिमाचल पुलिस ने देर रात को बचाकर एक गेस्ट हाउस में पहुंचाया। जिन लोगों ने हिमाचल पुलिस ने बचाया, उनमें बीकानेर निवासी राहुल मलिक, राम निवास और उसकी पत्नी मनीषा के अलावा श्रीगंगानगर निवासी टीकम राम, उसकी पत्नी गायत्री देवी शामिल हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ये लोग चार दिन पहले कार से ही हिमाचल प्रदेश घूमने गए थे। उनकी कार कुल्लू से करीब 70 किलोमीटर दूर जलोड़ी पास के करीब बंजार में एनएच-305 पर पहाड़ों पर बर्फ में फंस गई. रात के अंधेरे और सुनसान जगह पर सहायता न मिलने पर उन्होंने आपातकालीन सेवा 1077 पर संपर्क साध कर हिमाचल प्रशासन से मदद की गुहार लगाई।

सूचना मिलते ही आपदा प्रंबधन कंट्रोल रूम ने कार्रवाई करते हुए कुल्लू जिले के बंजार थाना से तुरंत संपर्क साधा। बंजार पुलिस के अनुसार सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने रेक्यू के लिए टीम गठित की. इस टीम में शामिल पुलिस कर्मी गांव सोझा से आगे तक वाहन पहुंचे लेकिन वहां से आगे उन्हें डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल चल कर तय करना पड़ा। कार में सवार सभी लोगों को प्रशासन ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाल कर सुरक्षित बंजार पहुंचाया। बाद में उनकी कार को भी निकाल लिया गया।

सीएडी मुख्य अभियंता कार्यालय शिफ्ट पर विधायक ने की कड़ी निंदा

बीकानेर (संवाद)।

कोलायत विधायक भंवरसिंह भाटी ने पुर्नसंरचना के नाम पर मुख्य अभियन्ता सीएडी (पश्चिम) बीकानेर के कार्यालय को अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता के रूप डाऊनग्रेड कर मुख्यालय हनुमानगढ शिफ्ट किये जाने की संभावित कार्यवाही की कड़ी निंदा की है। इस सम्बन्ध में विधायक भंवरसिंह भाटी ने मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे को पत्र लिखकर पुर्नसंरचना के नाम पर मुख्य अभियन्ता सीएडी (पश्चिम), बीकानेर के कार्यालय को अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता के रूप डाऊनग्रेड कर मुख्यालय हनुमानगढ़ शिफ्ट करने की कार्यावाही निरस्त करवाने की मांग की है। विधायक भाटी का कहना है कि भाजपा पर एक के बाद एक बीकानेर विरोधी निर्णय कर लगातार बीकानेर के हितो की अनदेखी कर रहे है। कांग्रेस सरकार द्वारा स्वीकृत तकनीकी विश्व विद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज के कार्मिकों को सेवा से निकालने एवं अब 43 वर्ष पुराने सीएडी कार्यालय को बीकानेर से हनुमानगढ़ शिफ्ट किये जाने वाले जन विरोधी निर्णय है। उन्होंने बताया कि मुख्य अभियन्ता सिंचित क्षेत्र विकास, इंगानप, बीकानेर द्वारा इंगानप क्षेत्र में 12.32 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य करवाये गये थे जिनमें से इंगानप स्टेज प्रथम में 5.29 लाख हैक्टेयर क्षेत्र कार्य था ये कार्य श्रीगंगानगर, हनुमानगढ एंव बीकानेर जिलों में स्थित है तथा इंगानप स्टेज-।। में 7.03 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य करवाये गये जो कि बीकानेर, जैसलमेर एंव बाड़मेर में जिलों में स्थित है। इसके अतिरिक्त मार्च 2017 तक विभिन्न परियोजनाओ में 2.96 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य करवाये गये तथा अभी भी 4.78 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य प्रगतिरत/बकाया है ये सभी कार्य गंगानगर एंव चुरू जिलों में स्थित है। जब इन कार्यों का पर्यवेक्षण बीकानेर जिसे संभागीय मुख्यालय में रह कर किया जा सकता है तो इन शेष रहे कार्यों के लिए मुख्यालय परिवर्तन करना बीकानेर की जनता एंव कार्मिकों के हितो पर कुठाराघात है।

ऑनलाइन शिक्षा भविष्य की आधारशिला

बीकानेर (संवाद)। बिनानी कन्या महाविद्यालय बीकानेर में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित विशेष शिविर के पांचवे दिन गायन, व्याख्यान तथा श्रमदान जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। एनएसएस प्रभारी रामकुमार व्यास ने बताया कि इयुसॉफ्ट से पधारे श्री अनंत व्यास तथा श्री नवीन विश्नोई ने छात्राओं को ईलर्निंग, ई-कम्प्यूटिंग के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में किस प्रकार से एक विद्यार्थी अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद घर बैठे ही जीविकोपार्जन कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में सरकारी नौकरी इतना लुभावना अवसर लगती है कि हम अन्य दिशाओं और मार्गों की तरफ अपना ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहते है।

शुभलक्ष्मी योजना का लाभ मिले हर लाभार्थी को

बीकानेर (संवाद)।

यदि आपको बेटी जन्म पर मुख्यमंत्री शुभलक्ष्मी योजना के तहत 2100 रूपए की प्रोत्साहन राशि मिली थी, आपने बेटी का पूर्ण टीकाकरण भी करवाया था और किसी कारणवश आपने दूसरी किश्त प्राप्त नहीं की है तो अब जाग जाएं क्योंकि राज्य सरकार एक आखरी बार और इस योजना की द्वितीय किश्त का लाभ लाभार्थी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है।

शुभलक्ष्मी योजना के तहत प्रथम किश्त के लाभार्थियों को राज्य सरकार की ओर से 31 जनवरी 2018 तक दूसरी किश्त प्राप्ति का अँतिम अवसर दिया जा रहा है।

जिला प्रमुख सिंवर ने सुने अभाव-अभियोग

बीकानेर (संवाद)। जिला प्रमुख आपके द्वार कार्यक्रम के तहत दूसरे दौर की जनसुनवाई आज जिला प्रमुख सुशिला सिंवर ने विधानसभा क्षेत्र लूनकरनसर की ग्राम पंचायत बालादेसर व उसके बाद रामबाग में की जनसुनवाई व सुने अभावभियोग तथा उनके निस्तारण हेतु विभागवार अधिकारियों को जारी किए दिशा निर्देश । ग्रामपंचायत बालादेसर के ग्रामसेवक भरतसिंह गोदारा ने गत तीन वर्षों का प्रतिवेदन पढ़ा । उसके बाद विभागवार अधिकारियों ने राज्य सरकार द्वार चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिलाप्रमुख सिंवर ने ग्रामपंचायत बालादेसर में नवनिर्मित खाद्यात्र भंडार का लोकार्पण किया। इस कार्यक्रम में, उनके साथ सरपंच सोलचना झोरड़ ,यूथ कॉग्रेस अध्यक्ष श्रीकृष्ण सिंवर, जिला कॉग्रेस कमेटी के सचिव ओमप्रकाश सियाग, जिलापरिषद सदस्य विनोददेवी ओझा, क्रय विक्रय समिति लूणकरणसर के उपाध्यक्ष ख्यालीराम सुथार, माहाजन सरपंच प्रतिनिधि गुलाम मुस्तफा, हजारीराम बाना, रूपाराम झोरड़, मुखराम शर्मा जलग्रहण कमेटी अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे। सुरेश शास्त्री, गुलाबसिंह उपसरपंच व ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामपंचायत बालादेसर में भयंकर पेयजल किल्लत ह गत 20 दिनों से पेयजलापूर्ति बाधित ह, अधिकारियों को बार बार अवगत करवाने के बावजूद भी सुनवाई नही करते ह, इस सर्दियों के मौसम में भी पेयजलापूर्ति बाधित ह, ग्रामीण 1000 रुपये देकर टेंकरो से पाणी लाने को मजबूर ह, ग्रामीणों ने जलदायविभाग के अधिकारियों के प्रति रोष जताया व कहा कि लालेरा पट्टा जलदाय विभाग में कार्यरत कर्मचारी तोलाराम की कार्यप्रणाली मनमर्जी से संचालित करते है।

रंगसूत्र क्राफ्ट्स इंडिया लिमिटेड
सीआईएन : U52511RJ2006PLC026497
पंजी. कार्यालय : ए-39, कर्णी नगर, लालगढ़, बीकानेर-334001, राजस्थान
फोन : +91-151-2202148,
ई-मेल : info@rangsutra.com वेबसाइट : www.rangsutra.com
डाक मतदान सूचना

एतद्द्वारा शेयरधारकों को सूचना दी जाती है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 110 तथा अन्य सभी लागू प्रावधानों के साथ पठित कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 20 और नियम 22 (किसी सांविधिक संशोधन(नों) अथवा अस्थायी रूप से लागू उसके किसी पुनर्अधिनियमन सहित) के अनुसरण में, रंगसूत्र क्राफ्ट्स इंडिया लिमिटेड ("दि कम्पनी") डाक मतदान सूचना दिनांकित 16 दिसम्बर, 2017 में सूचीबद्ध प्रस्तावों के संबंध में डाक मतदान/ई-वोटिंग द्वारा उनका अनुमोदन मांग रही है। कम्पनी उन सभी शेयरधारकों को डाक मतपत्र सहित डाक मतदान सूचना भेजने का कार्य 23 दिसम्बर, 2017 को पूर्ण कर चुकी है, जिनके नाम 16 दिसम्बर, 2017 को सदस्यों की पंजिका में मौजूद थे। डाक मतदान की सूचना (क) उन शेयरधारकों को इलेक्ट्रॉनिक मेल द्वारा भेजी गई है, जिनकी ई-मेल आईडी'ज कम्पनी के पास पंजीबद्ध है तथा (ख) उन शेयरधारकों को भौतिक विधि से, एक डाकखर्च-प्रदत्त स्व-पता लिखित व्यवसाय जवाबी लिफाफे के साथ भेजी गई है, जिनकी ई-मेल आईडी'ज कम्पनी के पास पंजीबद्ध नहीं है। शेयरधारकों के मताधिकार की गणना उनके द्वारा 16 दिसम्बर, 2017 ("कट ऑफ तिथि") को धारित कम्पनी के इक्विटी शेयरों के आधार पर की जाएगी। कोई भी व्यक्ति, जो "कट ऑफ तिथि" को कम्पनी का शेयरधारक नहीं है, को डाक मतदान की सूचना केवल जानकारी के निमित्त मात्र समझनी चाहिए।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 के साथ पठित कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014 के अनुसरण में, कम्पनी अपने शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान कर रही है ताकि वे डाक मतदान सूचना में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर अपना मत इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा डाल सकें। कम्पनी ने सभी शेयरधारकों को ई-वोटिंग की सुविधा प्रदान करने के प्रयोजन हेतु नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की सेवाएं अनुबंधित की हैं। शेयरधारकों से यह नोट करने का अनुरोध है कि डाक मतदान तथा इलेक्ट्रॉनिक विधि दोनों द्वारा मतदान रविवार 24 दिसम्बर, 2017 (09.00 बजे आईएसटी) आरम्भ होगा तथा सोमवार, 22 जनवरी, 2018 (17.00 बजे आईएसटी) समाप्त होगा।

निदेशक मंडल ने श्री अरुण कुमार गुप्ता (सदस्यता सं. 5551), कार्यशील कम्पनी सेक्रेटरी, को डाक मतदान/ई-वोटिंग प्रक्रिया एक निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संचालित करने के लिए संवीक्षक नियुक्त किया है। शेयरधारकों से यह नोट करने का अनुरोध है कि विधिवत भरे गए और हस्ताक्षर किए गए मत पत्र संवीक्षक को 22 जनवरी, 2018 को 17.00 बजे आईएसटी तक प्राप्त हो जाने चाहिए। 22 जनवरी, 2018 को कार्यसमय की समाप्ति (17.00 बजे आईएसटी) के पश्चात प्राप्त डाक मत पत्र अवैध माने जाएंगे।

शेयरधारक वोटिंग की केवल एक विधि अर्थात भौतिक विधि अथवा ई-वोटिंग विधि का विकल्प चुन सकते हैं। शेयरधारक द्वारा ई-वोटिंग के साथ डाक मत पत्र द्वारा भी मतदान किए जाने की स्थिति में ई-वोटिंग वैध मानी जाएगी तथा डाक मत पत्र द्वारा किया गया मतदान अवैध मान्य होगा।

शेयरधारक, जो रिमोट ई-वोटिंग के लिए एनएसडीएल के साथ पंजीकृत हैं, अपनी विद्यमान यूजर आईडी तथा पासवर्ड का इस्तेमाल वोट डालने के लिए कर सकते हैं। कोई भी शेयरधारक, जिसको डाक मतदान की सूचना तथा डाक मत पत्र प्राप्त नहीं हुआ है, opsahu@rangsutra.com पर ई-मेल भेज सकता है अथवा कम्पनी की वेबसाइट www.rangsutra.com अथवा एनएसडीएल की वेबसाइट https://nsdl.co.in से भी डाउनलोड कर सकता है।

डाक मतदान का परिणाम बुधवार, 24 जनवरी, 2018 को 11.00 बजे कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में घोषित किया जाएगा। डाक मतदान का परिणाम कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में सूचना पट पर तथा कम्पनी की वेबसाइट www.rangsutra.com पर link http://rangsutra.com/resources/ पर भी प्रकाशित किया जाएगा।

किसी संदेह की स्थिति में, सदस्यगण https://www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड्स सेक्शन में सदस्यों हेतु बहुधा पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यूज) तथा सदस्यों हेतु ई-वोटिंग मैनुअल देखें अथवा टोल फ्री नंबर : 1800 22 2990 पर कॉल करें अथवा श्री राजीव रंजन (सहायक प्रबंधक), नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड, ट्रेड वर्ल्ड, "ए" विंग, चतुर्थ तल, कमला मिल्स कम्पाउण्ड, लोअर परेल, मुंबई-400013 से नामित ई-मेल आईडी'ज : evoting@nsdl.co.in पर अथवा rajivr@nsdl.co.in पर अथवा टेलीफोन नंबर 022-24994738 अथवा 1800-222-990 (टोल फ्री) पर सम्पर्क करें, जो इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा वोटिंग से संबंधित शिकायतों का निवारण करेंगे। सदस्यगण श्री ओ.पी. साहू, वित्त प्रबंधक से भी उनकी ई-मेल आईडी opsahu@rangsutra.com पर अथवा सम्पर्क नंबर +91-8432019901 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
वास्ते रंगसूत्र क्राफ्ट्स इंडिया लिमिटेड
हस्ता./-
सुमिता घोष
प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 01016426
निवासी : सी-901, सूर्य विहार, दूंडाहेड़ा, गुड़गांव-122016, हरियाणा

स्थान : बीकानेर, राजस्थान
तिथि : 23 दिसम्बर, 2017

प्रथम पुण्य तिथि पर विशेष : डॉ. रामेश्वर 'आनन्द' सोनी

रो रहे हैं गीत, सारे सिसकते हैं साज, खो गई जाने किधर, वह सुनहरी आवाज?

ज्ञानेश्वर सोनी/गौरीशंकर सोनी

संगीत एक अथाह सागर है, मोतियों से भरा हुआ। अब यह साधक की योग्यता पर निर्भर करता है कि वो उसमें कितना गहरा डूबता है और कितने मोती चुनकर लाता है। कुछ संगीत क्षणजीवी होते है जो थोड़े समय के लिये बजकर थम जाते हैं तो कुछ ऐसे स्वर-संगीत भी होते है जो कि समय (काल) से परे होते हैं- सदाबहार। हर जगह इनका जादू श्रोताओं के तन-मन पर छा जाता है। अपनी कशिस में चलते हुए राहगीरों को क्षण-भर के लिये रोक देता है। इनकी आवाज के अंदाज से परिचित होकर राहगीर का मन अपनी जिन्दगी की धूप-छांव में गाहे-बगाहे उसके गीतों का स्मरण कर जीवन जीने की सहज गति में संचालित होने लगता है। ऐसी ही आवाजों में एक कशिस भरी आवाज थी- स्व. डॉ. रामेश्वर 'आनन्द' की। जीवन परिचय- डॉ. आनन्द का जन्म 21 अप्रैल 1930 को धर्म नगरी बीकानेर, राजस्थान में हुआ। घर में आपकी दादीजी भजन गाया करती थी तो आप भी साथ में गुनगुनाया करते थे। युवावस्था में आप अपना पुश्तैनी कार्य स्वर्ण-मीनाकारी करने कोलकाता गये। वहां पर संगीतकार बप्पी लाहिड़ि के पिता ऑपरेश लाहिड़ि से संगीत की शिक्षा ली और संगीत की बारीकियाँ सीखीं। उनके गुरू ने ही उनको 'आनन्द' नामदिया। वहीं पर न्यू थियेटर्स द्वारा कोलकाता में बनी फिल्म 'अमर सहगल' में आपने अभिनय भी किया और गीत भी गाये। एच.एम.वी. में आपके (1956) द्वारा गाये गीत के.एल. सहगल को गायकी की तरह ही गाये गये थे, जिन्हें सुनकर यह अन्तर करना कठिन है कि ये आवाज के.एल. सहगल की ही है, या डॉ. रामेश्वर आनन्द की है। 1958 में आप कोलकाता छोड़कर बीकानेर आ गये। बीकानेर में डॉ. जयचन्द शर्मा व पं. रामकिशन पाण्डे से भी संगीत की बारीकियाँ सीखी। कुछ समय बाद जयपुर में मीनाकार का कार्य किया। वहीं पर आपने कई शिष्यों को संगीत की शिक्षा दी। वहां पर श्री देवकृष्ण सोनी ने आपसे शिक्षा ली और बम्बई में संगीत अध्यापन का कार्य किया। कालान्तर बाद डा. आनन्द ने बीकानेर के मेडिकल कॉलेज में राजकीय सेवा की फिर शिक्षा विभाग में संगीत अध्यापक के पद पर कार्य करते रहे, जहाँ आपने बहुत से नोटेशन तैयार किये। लगभग सभी देवी-देवताओं के भजन, निर्गुण भजन, कबीर, मीरा, तुलसी, आनंदघन, बिन्दु जी, नत्थासिंह के भजनों की स्वयं की बनी धुनों में भजन गाये। उन्होंने कई जैन भजन व गीत भी लिखे। वीर रस का गीत-राजस्थानी वीरों को जो प्राणों से भी प्यारा है, देश के दुलारों का ये आजादी का नारा है, हर-हर-हर महादेव तथा बंग देष का शेर चला आदि ऐसे गीत हैं जो अमर हैं तथा जिन्होंने उनको प्रसिद्धि भी दिलाई। इन गीतों को कला जगत में उपलब्धि माना जा सकता है। जो भी उन्होंने गाया उनकी विषेषता रही कि वे सभी अपनी अलग तरह की विषिष्टता लिये थी इसी कारण जन मानस में गहरा प्रभाव रहा है। आकाशवाणी बीकानेर से कई संगीत तथा मीनाकारी संबंधी वार्ताएं भी आपने दी। साथ ही साथ आप जोधपुर-बीकानेर ऑडिशन कमेटी के सदस्य भी रह चुके हैं। अखिल भारतीय मांड समारोह में मांड राग पर कई बार विशेष वार्ता व पत्र वाचन भी कर चुके हैं। शोध सम्बन्धी कई पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है जिनमें राजस्थानी राग रस रंग तथा श्री ब्राहमण स्वर्ण शिल्पी समाज उद्भव एवं विकास प्रमुख है। आपको अनेक संस्थाओं द्वारा बीकानेर, अहमदाबाद,

बैंगलोर, हैदराबाद, उदयपुर, कोटा, जयपुर, अजमेर आदि स्थानों पर सम्मान व पुरस्कार मिले हैं। गोपाल स्वामी पुरस्कार, पद्म श्री अल्लाह जिलाई बाई सम्मान, राव बीकाजी सम्मान, संगीत षिरोमणि पुरस्कार तथा अखिल भारतीय ब्राहमण स्वर्णकार द्वारा सम्मान मिल चुका है। वे अपनी आवाज को चाहे जैसे घुमा-फिरा लेते थे। असीमित रेन्ज में आवाज थी, किसी भी सप्तक में आसानी से गा लेते थे। आवाज में मधुरता तथा शब्दों में स्पष्टता का गुण था। हर राग, हर रंग में उनके गाने में व्याप्त यह विविधता सर्व स्पर्षिता इस कदर प्रभावित थी कि उनके समकालीन गायकों ने भी खुले दिल से स्वीकार किया कि इनकी कोई सीमाएँ नहीं हैं। एक इन्सान- एक कलाकार - व्यक्तिगतजीवन में वे इन्सान नहीं अपितु देवता समान थे। इस भागती दुनिया में हर व्यक्ति दूसरों का अहित तथा अपना हित चाहता है, मगर उन्होंने कभी किसी का बुरा नहीं सोचा था। उनका जीवन बहुत ही सादा था, मिलनसार था। कलाकार चाहे छोटा हो या बड़ा वे सबका आदर सत्कार करते थे। 4 जनवरी 2017 को शाम 5:00 बजे अहमदाबाद में उनका देहान्त हो गया। सच है, व्यक्ति चला जाताहै, उसकी स्मृतियाँ रह जाती है। पीछे छुटी हुई चीजें उस समय ज्यादा जीवन्त हो जाती हैं, जब उन्हें ज्यों का त्यों सहज कर रखा जाता है, जो स्मृतियों को और जिन्दा कर देती हैं। अपनी संगीत विरासत को वे अपने पुत्रा ज्ञानेष्वर सोनी तथा पौत्रा गौरीषंकर सोनी को देकर गये। गायकों की वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिये वे एक मर्मांतक स्पंदन के रूप में सदैव जीवित रहेंगे।

रो रहे हैं गीत, सारे सिसकते हैं साज,
खो गई जाने किधर, वह सुनहरी आवाज?
जिसके दम से था खिला सुर का चमन
जिसके आगे सिर झुकाता था गगन।